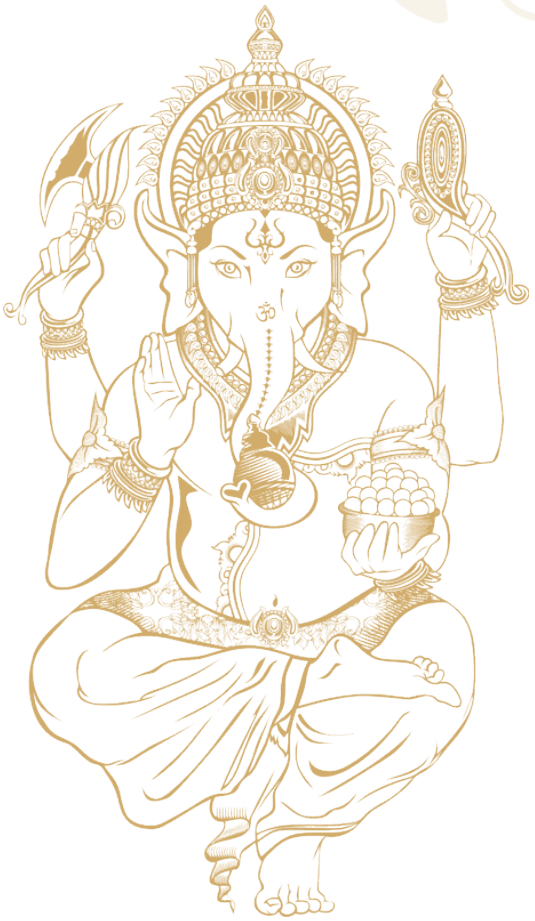

Bharat Deepika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121381403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/05/2000	जन्म तिथि	01/07/2002
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 06:50:00	जन्म समय	07:15:00 घंटे
घटी 03:26:33	जन्म समय(घटी)	04:30:33 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Faridabad
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:27:22	सूर्योदय	05:27:01
19:08:26	सूर्यास्त	19:21:59
23:51:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 5मा 6दि	26:39:50	वृष	लग्न	कर्क	07:36:38	गुरु 7वर्ष 5मा 8दि
सूर्य	06:26:35	वृष	सूर्य	मिथु	15:11:06	शनि
27/10/2023	06:47:35	धनु	चंद्र	कुंभ	27:08:00	08/12/2009
26/10/2029	18:08:34	वृष	मंगल	मिथु	28:00:46	08/12/2028
सूर्य 14/02/2024	20:08:28	वृष	बुध	वृष	25:19:47	शनि 11/12/2012
चन्द्र 14/08/2024	27:04:33	मेष	गुरु	मिथु	29:04:09	बुध 21/08/2015
मंगल 20/12/2024	00:40:02	वृष	शुक्र	कर्क	24:56:47	केतु 29/09/2016
राहु 14/11/2025	27:53:46	मेष	शनि	वृष	27:20:48	शुक्र 30/11/2019
गुरु 02/09/2026	02:01:14	कर्क व	राहु व	वृष	23:45:13	सूर्य 11/11/2020
शनि 15/08/2027	02:01:14	मक व	केतु व	वृश्चि	23:45:13	चन्द्र 12/06/2022
बुध 20/06/2028	26:57:33	मक	हर्ष व	कुंभ	04:38:23	मंगल 22/07/2023
केतु 26/10/2028	12:40:22	मक व	नेप व	मक	16:30:36	राहु 28/05/2026
शुक्र 26/10/2029	17:59:49	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	21:46:16	गुरु 08/12/2028

लग्न-चलित

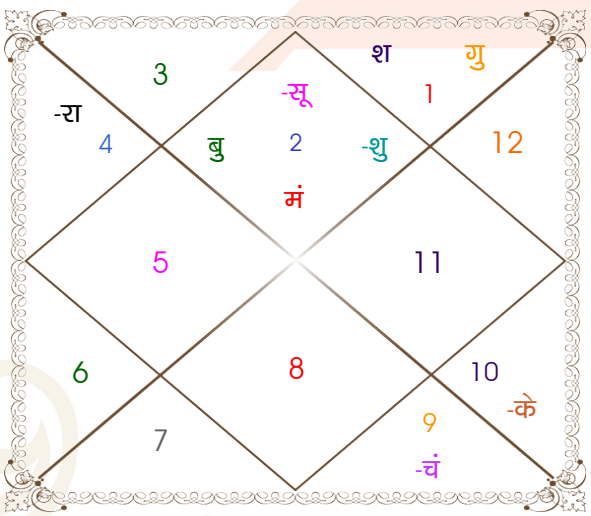

लग्न-चलित

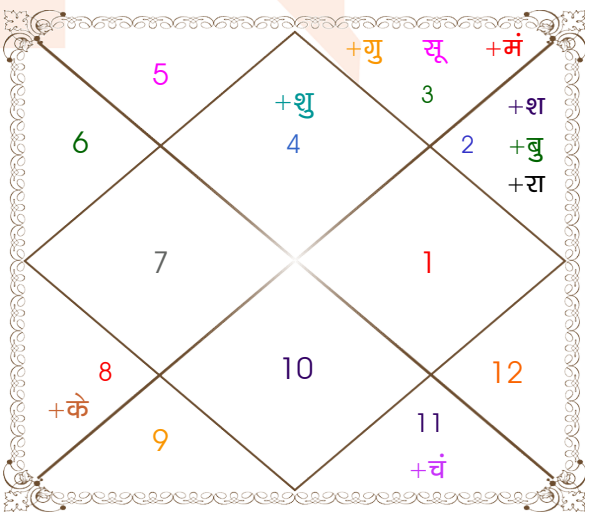

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Bharat का वर्ग मूषक है तथा क्ममचपां का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Bharat और क्ममचपां का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Bharat मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

क्ममचपां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्ममचपां कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु क्ममचपां कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष

प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु क्ममचपां कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Bharat कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Bharat कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Bharat तथा क्ममचपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।